भारत में कोयले की कमी

प्रलिम्सि के लयि:

भारत में कोयले की कमी, ताप वद्यिुत संयंत्र

मेन्स के लयि:

कोयले का उपयोग एवं महत्त्व, कोयले की कमी का कारण और नविारण

चर्चा में क्यों?

भारत के ताप वद्यिुत संयंत्र (Thermal Power Plant) कोयले की भारी कमी का सामना कर रहे हैं क्योंकि थर्मल स्टेशनों की बढ़ती संख्या के कारण कोयले का स्टॉक औसतन चार दनिों के लयि बचा है।

प्रमुख बदिु

- **कारण:**
  - **बजिली की मांग में वृद्धि:**
    - आपूर्ति संबंधी मुद्दों के साथ युग्मति कोवडि-19 महामारी से उबरने वाली अर्थव्यवस्था ने मौजूदा कोयले की कमी को जन्म दयिा है।
    - भारत बजिली की मांग में तेज़ उछाल, घरेलू खदान उत्पादन पर दबाव और समुद्री कोयले की बढ़ती कीमतों के प्रभावों से परेशान है।
  - **ताप वद्यिुत संयंत्रों का बढ़ा हुआ हस्सिा:**
    - कोयले से चलने वाले थर्मल पावर प्लांटों ने भी मांग में वृद्धि के उच्च अनुपात की आपूर्ति की है, जसिसे भारत के उर्जा मश्रिण में थर्मल पावर की हस्सिेदारी वर्ष 2019 के 61.9% से बढ़कर 66.4% हो गई है।
  - **बाढ़ और वर्षा:**
    - अप्रैल-जून की अवधि में ताप वद्यिुत संयंत्रों द्वारा सामान्य से कम स्टॉक संचयन और अगस्त-सतिंबर में कोयला संबंधी क्षेत्रों में लगातार बारशि के कारण उत्पादन कम हुआ जसिकी वजह से कोयला खदानों से कोयले का कम प्रेषण हुआ।
  - **आयात कम करना:**
    - कोयले की उच्च अंतर्राष्ट्रीय कीमतों के साथ-साथ आयात कम करने के लयि उठाए गए कदमों के कारण भी संयंत्रों ने आयात में कटौती की है।
- **प्रभाव:**
  - यदि उद्योगों को बजिली की कमी का सामना करना पड़ता है, तो इससे **भारत के आर्थकि क्षेत्र की बहाली में देरी** हो सकती है।
  - कुछ **व्यवसाय उत्पादन को कम** कर सकते हैं।
  - भारत की आबादी और अवकिसति ऊर्जा बुनयिादी ढाँचे के कारण लंबी अवधि तक गंभीर बजिली संकट की स्थति रिह सकती है।
- **उठाए जा सकने वाले कदम:**
  - **खनन को बढ़ावा देना:**
    - सरकार स्टॉक की बारीकी से नगिरानी का कार्य कर रही है और राज्य द्वारा संचालति कोल इंडयिा एवं NTPC भी आपूर्ति बढ़ाने हेतु खदानों से उत्पादन में वृद्धि के लयि कार्य कर रहे हैं।
  - **आपूर्ति नियिंत्रण:**
    - भारत में घरेलू बजिली आपूर्ति की राशनगि, वशिेष रूप से ग्रामीण और अर्द्ध-शहरी क्षेत्रों हेतु सबसे आसान समाधानों में से एक के रूप में उभर सकती है।
    - भारतीय बजिली वतिरक आमतौर पर कुछ क्षेत्रों में तब आपूर्ति में कटौती करते हैं जब उत्पादन, मांग से कम होता है और यदि आगे भी यही स्थति रिहती है तो बजिली की कटौती में वसि्तार पर वचिार कयिा जाएगा।
  - **आयात बढ़ाना:**
    - भारत को वत्तिीय लागत के बावजूद अपने आयात को बढ़ाना होगा। उदाहरण के लयि इंडोनेशयिा से, जहाँ कीमत मार्च के 60 डॉलर प्रति टन से बढ़कर सतिंबर में 200 प्रति टन हो गई।

- **जलवद्यिुत उत्पादन:**
  - वहीं मानसून की बारशि से कोयला खदानों में बाढ़ आ गई है, जसिसे जलवद्यिुत उत्पादन (Hydro-Power Generation) को बढ़ावा मलिने की संभावना है।
  - बाँधों पर बड़ी जलवद्यिुत परयिोजनाएँ कोयले के बाद भारत के प्रमुख बजिली स्रोत हैं और यह क्षेत्र बारशि के मौसम में अपने चरम पर होता है जो आमतौर पर जून से अक्तूबर तक होता है।
- **प्राकृतकि गैस चालति जनरेटर की तरफ रुख:**
  - वर्तमान में वैश्वकि कीमतों में वृद्धि के बावजूद प्राकृतकि गैस की बड़ी भूमकिा हो सकती है।
  - एक नराशाजनक स्थतिि में गैस से चलने वाला बेड़ा कसिी भी व्यापक बजिली आउटेज को रोकने में मदद कर सकता है। उदाहरण के लयि राज्य द्वारा संचालति जनरेटर NTPC लमिटिेड, जसि आवश्यकता पड़ने पर लगभग 30 मनिट में चालू कयिा जा सकता है और यह गैस ग्रडि से जुड़ा होता है।

कोयला

- यह सबसे **अधकि मात्रा में पाया जाने वाला जीवाश्म ईंधन** है। इसका उपयोग घरेलू ईंधन के रूप में, लोहा, इस्पात, भाप इंजन जैसे उद्योगों में और बजिली पैदा करने के लयि कयिा जाता है। कोयले से से उत्पन्न बजिली को '**थर्मल पावर**' कहते हैं।
- आज हम जसि कोयले का उपयोग कर रहे हैं वह लाखों साल पहले बना था, जब वशिाल फर्न और दलदल पृथ्वी की परतों के नीचे दब गए थे। इसलयि कोयले को **बरीड सनशाइन** (Buried Sunshine) कहा जाता है।
- **दुनयिा के प्रमुख कोयला उत्पादकों में** चीन, अमेरकिा, ऑस्ट्रेलयिा, इंडोनेशयिा और भारत शामलि हैं।
- **भारत के कोयला उत्पादक क्षेत्रों में** झारखंड में रानीगंज, झरयिा, धनबाद और बोकारो शामलि हैं।
- कोयले को भी चार रैंकों में वर्गीकृत कयिा गया है: एन्थ्रेसाइट, बटिुमनिस, सबबटिुमनिस और लग्िनाइट। यह रैंकगि कोयले में मौजूद कार्बन के प्रकार व मात्रा और कोयले की उष्मा ऊर्जा की मात्रा पर नर्िभर करती है।

स्रोत: द हद्रिू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/coal-crunch-in-india